वीर चन्द्र सिंह गढ़वाली उत्तराखंड औद्यानिकी एवं वानिकी विश्वविद्यालय

वानिकी महाविद्यालय, कृषि मौसम प्रक्षेत्र इकाई

रानीचौरी, टिहरी गढ़वाल-249199 (उत्तराखण्ड)

फोन नंबर : 01376-252 150

कृषि मौसम सेवा बुलेटिन, जनपद - उत्तरकाशी

दिनांक- 09 अक्टूबर, 2018

भारत सरकार के पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय द्वारा वित्त पोषित मध्यम अवधि मौसम पूर्वानुमान आधारित ग्रामीण कृषि मौसम सेवा परियोजना के अंतर्गत मौसम केन्द्र, देहरादून से प्राप्त मौसम पूर्वानुमानित आँकड़ों के आधार पर जनपद उत्तरकाशी में अगले पाँच दिनो निम्न मौसम रहने की सम्भावना व्यक्त की जाती है:-

मौसम पूर्वानुमान - उत्तरकाशी	**(between 0830 hours of Yesterday & 0830 hours Today)**				
मौसम प्राचल/दिनांक	**10-10-2018** (09 अक्टूबर सुबह 08:30 बजे से 10 अक्टूबर सुबह 08:30 बजे तक)	**11-10-2018** (10 अक्टूबर सुबह 08:30 बजे से 11 अक्टूबर सुबह 08:30 बजे तक)	**12-10-2018** (11 अक्टूबर सुबह 08:30 बजे से 12 अक्टूबर सुबह 08:30 बजे तक)	**13-10-2018** (12 अक्टूबर सुबह 08:30 बजे से 13 अक्टूबर सुबह 08:30 बजे तक)	**14-10-2018** (13 अक्टूबर सुबह 08:30 बजे से 14 अक्टूबर सुबह 08:30 बजे तक)
वर्षा (मि.मी.)	बहुत हल्की (1 मिमी.)	बहुत हल्की (1 मिमी.)	बहुत हल्की (2 मिमी.)	नही	नही
अधिकतम तापमान (डिग्री सेल्सियस)	30	29	28	28	27
न्यूनतम तापमान (डिग्री सेल्सियस)	15	16	16	15	16
आसमान में बादल आच्छादन **(ओक्टा: 0 से 8)** **शून्य ओक्टा (पूरी तरह से साफ आसमान)** **8 ओक्टा (पूरी तरह बादलों से घिरा आसमान)**	मुख्यतः साफ (2 ओक्टा)	कुछ भाग बादल (3 ओक्टा)	कुछ भाग बादल (3 ओक्टा)	मुख्यतः साफ (2 ओक्टा)	कुछ भाग बादल (3 ओक्टा)
अधिकतम सापेक्षित आर्द्रता (%)	80	80	80	75	70
न्यूनतम सापेक्षित आर्द्रता (%)	40	40	40	40	35
वायु की औसत गति (कि.मी./घंटा)	4	6	6	8	8
वायु की दिशा	दक्षिण-पूर्व	दक्षिण-पूर्व	दक्षिण-पूर्व	उत्तर-पश्चिम	उत्तर-पश्चिम

मानकीकृत वर्षा सूचनांक (दिनांक 01 जून से 03 अक्टूबर, 2018 तक) के आधार पर जनपद में सामान्य से अधिक बारिश (**Mildly wet_SPI Value, 0.0 to 0.99**) की स्थिति रही|

कृषि मौसम विज्ञान वेधशाला, रानीचौरी, टिहरी गढ़वाल(समुद्रतल से ऊँचाई-1827 मीटर)के प्रेक्षण अनुसार विगत सप्ताह (03 से 09 अक्टूबर, 2018, सुबह 08:30 तक) हल्के बादल छाये रहने के साथ बारिश नही हुई| दिन का अधिकतम तापमान 20.1 से 21.6 डिग्री सेल्सियस तथा न्यूनतम तापमान 8.5 से 10.0 डिग्री सेल्सियस रहा| इस दौरान पूर्वाहन 07:16 बजे सापेक्षित आर्द्रता 57 से 69 प्रतिशत तथा अपराह्न 14:16 बजे को 49 से 60 प्रतिशत के मध्य रही| हवा की औसत गति 4.3 से 5.1 किमी० प्रति घंटा रही| सप्ताह के दौरान हवा मुख्यतः दक्षिण-पूर्व व दक्षिण-पश्चिम दिशा से चली|

फसल	**अवस्था**	**फसल**	**अवस्था**
धान (सिंचित), मंडुवा, रामदाना	परिपक्वता	**तोर, सोयाबीन, गहत, नौरंगी, उर्द आदि**	दाना बनना
टमाटर, शिमलामिर्च, तेज मिर्च आदि	फूल/फल बनना	**लौकी, कद्दू, खीरा**	फूल/फल
बंद गोभी	बढ़वार	**सब्जी मटर (असिंचित_ऊंचाई क्षेत्र)**	पौध

Note: Farmer registration for SMS Link: http://imdagrimet.gov.in/farmer/Form.php

District GKMS Bulletin Link: http://www.imdagrimet.gov.in/node/3498

राई, पालक, मेथी, धनिया	अंकुरण/पौध	माल्टा	फल वृद्धि

कृषि मौसम सलाह समिति द्वारा किसानों हेतु कृषि सलाह

- हल्की बारिश को ध्यान रखते हुए किसानो को सलाह दी जाती है कि खाली खेतों की जुताई करें जिससे खेत में नमी संरक्षित रह सके| मृदा परीक्षण कार्य करवाएं|
- परिपक्व फसल की कटाई कर सुरक्षित स्थान पर रखें| सुरक्षित भण्डारण के लिए अनाज/दाना को धूप में अच्छी तरह (12-15% नमी रहने तक) सुखाएं|
- प्याज पौध उत्पादन हेतु पौधशाला तैयार कर बुवाई कार्य करें|बीज को *ट्राईकोडर्मा, स्यूडोमोनास, बैविरिया* आदि जैविक अभिकर्ताओ से बीज शोधन करें अथवा एक किलो बीज को 2 ग्राम थीरम या 1 ग्राम कार्बेन्डाजिम से बीज उपचार करें|
- बंद गोभी, सब्जी मटर पौध, मूली, राई, मेथी, पालक धनिया में गुडाई उपरान्त 10 ग्राम जैविक अभिकर्ता को प्रति लीटर पानी में घोलकर पौध की जड़ों को सींच दें| पंक्तियों के बीच में पलवार (सूखी घास) बिछा दें ताकि नमी संरक्षण हो सके|
- दीमक/सूंडी कीट नियंत्रण हेतु दानेदार क्लोरपाईरोफोस को मिट्टी/रेत के साथ मिलाकर पूरे खेत में बुरकाव कर मिट्टी में मिला दें|
- खेत/घर के आसपास सुरक्षित स्थान पर मधुमक्खी पालन हेतु मधुमक्खी बॉक्स स्थापित करें|
- मशरुम उत्पादन हेतु कम्पोस्ट व स्पान (मशरुम बीज) को विश्वसनीय स्रोत से प्राप्त कर बीजाई करें|
- फलदार नींबू/माल्टा फल वृक्षों की नियमित सिंचाई करते रहें| फल वृक्ष को रोगमुक्त रखने के लिए बोर्ड़ेक्स मिश्रण (10 ग्राम/लीटर पानी) का 2-3 छिडकाव 7-10 दिन के अंतराल पर करें|
- फल वृक्ष की टहनियां ऊपर से सूख रही हों तो सर्वप्रथम सूखी टहनियों को काट कर जला दें| कॉपर आक्सीक्लोराइड 0.2% घोल का छिडकाव 2-3 बार करें|
- सेब बागान से फल तुड़ाई उपरान्त पत्तियों को झाड़ने व स्कैब रोग के जाल को नष्ट करने हेतु 2 किग्रा० यूरिया प्रति 200 लीटर पानी में घोलकर छिडकाव करें|
- शीतोष्ण फल वृक्षों के थालों की सफाई कार्य प्रारंभ करें| सेब, आड़ू, नाशपाती इत्यादि वृक्षों की गिरी पत्तियों को एकत्र कर नष्ट कर दें|
- पशुओं को जुओं व चिचडो से बचाव हेतु ब्यूटोक्स दवा 1 मिली० प्रति लीटर पानी में घोलकर दिन के समय (धूप रहने के दौरान) पशुओं के शरीर पर पोंछ दें तथा दो घंटे बाद पशु को नहला दें|
- गाय/भेंस/ में खुरपका (खुर्र्य) रोग का टीकाकरण करवाएं| पशुओं को धूप में चरने दें जिससे पशुओं में विटामिन डी की पूर्ति हो सके|
- रात्रि (न्यूनतम) तापमान में धीरे-धीरे गिरावट हो रही अतः नवजात बछड़ों को सुबह व शाम के समय ढक कर रखें|

नोडल अधिकारी
कृषि मौसम प्रक्षेत्र इकाई, रानीचौरी

तकनीकी अधिकारी
कृषि मौसम प्रक्षेत्र इकाई, रानीचौरी